

मेहाजी

कुष्म अवतार

मन्दिर

↓
वाफ़ी (फ़र्मादी)

→ जन्म → तापु गांव ✓

→ जन्म → कुष्म जन्माष्टमी ✓

→ मेल → कुष्म जन्माष्टमी ✓

→ वाहन → किरड काबरा ✓

→ इस मन्दिर पुजारी सन्तान गौहलकर वंश आगे बढ़ता है

हड्डबुजी

→ राकुनशाह के आता

जन्म → भुडेल नगौर

गुरु → बालीनाथ

रामदेव जी के मौलेरे भाई

मन्दिर → बंगरी गांव

दफालीदी
→ इस मन्दिर में बेलगाड़ी में
पूजा

→ राव जौधा को मंडौर भाग जीतने का आशीर्वाद दिया

→ राव जौधा ने हड्डबुजी को बंगरी गांव दिया

→ वाहन → सियार

मैला → भाद्रपद माह

देवनारायण जी

- जन्म → मालासैरी गांव
- पिता → सवाई भोज
- माता → सैतु खाटानी
- पत्नी → पीपल दे
- वाहन → लीलागर घोड़ा
- बचपन के नाम → उदय सिंह

उपनाम

- देवल भगवान
- उदल भगवान
- नीम का औषधिय महत्व बताने वाले देवता
- राज्य कृान्ति का प्रेरक
- आयुर्वेद का ज्ञाता

नोट: वैसला समाज की स्थापना की

- सवाई भोज ने दुर्जनसाल के साथ युद्ध लड़ा और अपने 23 भाइयों के साथ लड़ते वक्त मारे गये।
- देवनारायण जी भीनाय शासक दुर्जनसाल का वध करके अपने भाई महन्दु को राजा बनाया
- मेला → भाद्रपद शुक्ल सप्तमी
- मंदिर
 - देवमाली → ल्यावर
 - देवधाम आंधपुरिया टोन्
 - देवदुगरी चित्तौड़गढ़
 - आसिन्द भीमवाड़ा

→ देवनारायण जी की फड : सबसे लम्बी फड

सबसे छँती

सर्वाधिक चिरांकन वाली फड

सबसे ज्यादा समय लेने वाली फड

बाघ यज्ञ

→ गुजराती के अविवाहित भाँपे अन्तर नामक

बाघ यज्ञ गले में लटकाकर खेड़ रहेकर वाचन करते हैं

→ 1992 में देवनारायण जी की फड पर डारु टिकर जाती] → डरूपयै का

→ 2011 में हवेंय देवनारायण जी पर डेकु टिकर जाती

- देवनारायण जी के मन्दिर में इष्टों की पूजा होती है।
- इनके मन्दिर में नीम की पत्तीया भेंट की जाती है।
- देवनारायण जी विष्णु के अवतार माने जाते हैं।

इलो जी ✓

इहकाप
↓ इहोलीका
हो (पुष्पकेश) इलो जी

- ↳ छंड छंड के अनैखे देवता
- ↳ रुक्मा लौक देवता जिनकी प्रतिमा नून अवस्थामे है
- ↳ इलो जी की सवारी → वाडमेर
- ↳ इलो । ईली नृत्य → सांचौर जार्जर
- ↳ पत्नी → होलीका
- ↳ इलो जी की पूजा → होली पर की जाती है

मन्जीराथ जी : (मारवाड)

- ↳ मारवाड के शासक और लौक सत रहे)
- ↳ पंथ → कुण्डा पंथ चलाया
- ↳ 1399 हरिकर्तन सभा कागठन किया
- ↳ मेला → तिलवाड़ा - बाड़मेर
 - ↳ चैत्र कृष्ण एकादशी से शुक्ल एकादशी तक
- राज का प्रायित्तम पशु मेला → मन्जीराथ जी का मेला
- पत्नी → रुपाई → मारवाड की मीरा → मेला → मालाभाल गांव में

तली नाथ जी

पली नाथ जी

↳ प्रकृति प्रेमी देवता

↳ मूल-नाम → गांग देव राठौड़

↳ गुरु → आलधर नाथ

↳ मन्दिर → पान्चौटा गांव आलौर में

और हैं ३ वन्य जीवरुप वनो की कटाई निषेध है।

देव बाबा

↳ ज्वालामुखी के रक्षक देवता

↳ पशु बिमार होने पर इनकी पूजा की जाती है।

↳ वाहन → भैंसा

↳ मंदिर → जंगला भरतपुर

↳ वाहन → सुभाही

↳ मेला → भादपद / चैत्र शुक्ल पंचमी

मामादेवः वर्षा के देवता

↳ प्रतिमा → लकड़ी की होती है।

↳ पूजा → गांव से बाहर ताल के रूप में

↳ इनकी भैंसे की बलि दी जाती है।

पन्नराज जीः गायों के रक्षक देवता

↳ मंदिर → पन्नराज सर → जिसमें

फताजी : शास्त्र विद्या के सात।

↳ मन्दिर → साधू गांव आर्ला
मेला → भाद्रपद कृष्ण नवमी

रूपनाथजी → पावूजी की मौत का बदला

↳ जिन्दगाव खिंची की हत्या
↳ मन्दिर → कालुमण्ड फर्लादी

विग्गाजी → आखड समाज के लोक देवता

↳ मन्दिर → डुंगरगढ बीकानेर

हरिरामजी → झोरड़ा गांव नांगर

↳ सांपों के देवता